कक्षा 6 — हिंदी (मल्हार)

पाठ 1 : मातृभूमि

अभ्यास प्रश्न-पत्र — सेट 1

नाम (Name): ____________________ कक्षा/अनुभाग: 6 / ___

तारीख़ (Date): ____________

भाग अ : बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1. 'मातृभूमि' कविता के कवि कौन हैं?
   (क) सुमित्रानंदन पंत
   (ख) सोहनलाल द्विवेदी
   (ग) माखनलाल चतुर्वेदी
   (घ) रामधारी सिंह दिनकर

2. कवि सोहनलाल द्विवेदी का जन्म लगभग कितने वर्ष पहले हुआ था (पाठ के अनुसार)?
   (क) पचास वर्ष
   (ख) सौ वर्ष
   (ग) सवा सौ वर्ष
   (घ) दो सौ वर्ष

3. कविता में हिमालय के विषय में कहा गया है कि वह—
   (क) नीचा खड़ा है
   (ख) आकाश चूमता है
   (ग) पानी में डूबा है
   (घ) काँपता है

4. हिमालय के चरणों में झुककर कौन झूमता है?
   (क) बादल
   (ख) सिंधु
   (ग) पर्वत
   (घ) सूरज

5. कविता की पंक्तियों में किन दो नदियों का उल्लेख है?
   (क) नर्मदा-गोदावरी
   (ख) गंगा-यमुना
   (ग) कावेरी-कृष्णा

CBSEClassWorksheets

(घ) सतलुज-व्यास

6. भारत-भूमि में कोयल कहाँ पुकारती है?
(क) रेगिस्तान में
(ख) घनी अमराइयों में
(ग) बर्फीली चोटियों पर
(घ) समुद्र में

7. मलय पवन के बारे में कविता में कहा गया है कि वह—
(क) तन-मन सँवारती है
(ख) पेड़ गिराती है
(ग) नदियाँ रोकती है
(घ) आँधी लाती है

8. श्रीकृष्ण ने अपनी वंशी से क्या सुनाया?
(क) रामायण
(ख) पुनीत गीता
(ग) उपनिषद
(घ) वेद-मंत्र

9. गौतम बुद्ध ने जग को क्या सिखाया?
(क) धन कमाना
(ख) दया
(ग) युद्ध करना
(घ) भय

10. कविता में मातृभूमि को किस रूप में नहीं पुकारा गया है?
(क) पुण्य-भूमि
(ख) स्वर्ण-भूमि
(ग) शत्रु-भूमि
(घ) कर्मभूमि

भाग ब : रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the Blanks)

उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए।

1. ऊँचा खड़ा _____, आकाश चूमता है।

2. नीचे चरण तले झुक, नित _____ झूमता है।

CBSEClassWorksheets

3. गंगा यमुन त्रिवेणी _____ लहर रही हैं।

4. वह पुण्य-भूमि मेरी, वह _____ मेरी।

5. झरने अनेक झरते _____ में।

6. अमराइयाँ घनी हैं, _____ पुकारती है।

7. बहती _____ पवन है, तन-मन सँवारती है।

8. जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी _____।

9. श्रीकृष्ण ने सुनाई, पुनीत वंशी _____।

10. वह युद्ध-भूमि मेरी, वह _____ मेरी।

भाग स : सही/गलत बताइए (True/False)

सही कथन के सामने 'सही' तथा गलत कथन के सामने 'गलत' लिखिए।

1. 'मातृभूमि' कविता के कवि माखनलाल चतुर्वेदी हैं। (सही / गलत)

2. कविता में हिमालय को आकाश चूमते हुए बताया गया है। (सही / गलत)

3. कविता के अनुसार सिंधु (सागर) हिमालय के चरणों में झुककर झूमता है। (सही / गलत)

4. कविता में बताया गया है कि भारत में झरने नहीं हैं। (सही / गलत)

5. कोयल घनी अमराइयों में पुकारती है। (सही / गलत)

6. मलय पवन तन-मन को सँवारती है। (सही / गलत)

7. कविता के अनुसार श्रीराम और सीता का जन्म किसी अन्य देश में हुआ था। (सही / गलत)

8. श्रीकृष्ण ने वंशी से पुनीत गीता सुनाई। (सही / गलत)

9. गौतम बुद्ध ने जग को युद्ध करना सिखाया। (सही / गलत)

10. कवि ने भारत-भूमि को 'मातृभूमि' और 'जन्मभूमि' कहकर पुकारा है। (सही / गलत)

CBSEClassWorksheets

भाग द : दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए (Answer in 2 Lines)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो पंक्तियों में लिखिए।

1. कविता में हिमालय का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

2. कविता में किन नदियों का उल्लेख हुआ है और वे क्या कर रही हैं?

3. कोयल और मलय पवन के बारे में कवि ने क्या कहा है?

4. कविता के अनुसार भारत-भूमि को 'धर्मभूमि' और 'कर्मभूमि' क्यों कहा गया है?

5. श्रीराम और सीता का संबंध इस मातृभूमि से किस प्रकार बताया गया है?

6. श्रीकृष्ण ने इस भूमि पर क्या दिया?

7. गौतम बुद्ध ने जग को कौन-सी शिक्षा दी?

8. कवि ने मातृभूमि के लिए कौन-कौन से नाम प्रयोग किए हैं? (कोई चार लिखिए)

9. 'चिड़ियाँ चहक रही हैं' पंक्ति का क्या भाव है?

CBSEClassWorksheets

10. कविता का मुख्य भाव (केंद्रीय भाव) क्या है?

ग य : संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (Short Notes, 5–8 पंक्तियाँ)

निम्नलिखित पर 5 से 8 पंक्तियों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

1. कवि सोहनलाल द्विवेदी के बारे में संक्षेप में लिखिए।

2. 'मातृभूमि' कविता में भारत की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कैसे किया गया है?

3. कविता में वर्णित महापुरुषों के बारे में लिखिए।

4. कवि ने मातृभूमि के प्रति अपनी भावनाएँ किस प्रकार व्यक्त की हैं?

CBSEClassWorksheets

5. इस कविता से हमें क्या सीख मिलती है?

ग र : संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए (Reference to Context)

निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ बताते हुए व्याख्या कीजिए।

1. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

वह पुण्य-भूमि मेरी, वह स्वर्ण-भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।

3. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन-मन सँवारती है।

CBSEClassWorksheets

4. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, पुनीत वंशी गीता।

5. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।

CBSEClassWorksheets

उत्तर-कुंजी (Answer Key) — सेट 1

भाग अ : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) सोहनलाल द्विवेदी
2. (ग) सवा सौ वर्ष
3. (ख) आकाश चूमता है
4. (ख) सिंधु
5. (ख) गंगा-यमुना
6. (ख) घनी अमराइयों में
7. (क) तन-मन सँवारती है
8. (ख) पुनीत गीता
9. (ख) दया
10. (ग) शत्रु-भूमि

भाग ब : रिक्त स्थानों के उत्तर

1. हिमालय
2. सिंधु
3. नदियाँ
4. स्वर्ण-भूमि
5. पहाड़ियों
6. कोयल
7. मलय
8. सीता
9. गीता
10. बुद्ध-भूमि

भाग स : सही/गलत के उत्तर

1. गलत — कवि सोहनलाल द्विवेदी हैं।
2. सही
3. सही
4. गलत — कविता में अनेक झरनों का वर्णन है।
5. सही
6. सही
7. गलत — उनका जन्म इसी मातृभूमि में हुआ था।
8. सही
9. गलत — उन्होंने जग को दया सिखाई।
10. सही

CBSEClassWorksheets

भाग द : दो पंक्तियों में उत्तर

1. कविता में हिमालय को ऊँचा बताया गया है, जो आकाश को चूमता प्रतीत होता है। उसके चरणों में सिंधु (सागर) झुककर झूमता रहता है।

2. कविता में गंगा-यमुना नदियों का उल्लेख है। ये नदियाँ लहराती हुई बह रही हैं और हर कदम पर अपनी जगमगाती छटा बिखेर रही हैं।

3. कवि ने बताया है कि घनी अमराइयों में कोयल पुकारती रहती है तथा सुगंधित मलय पवन बहकर सबके तन और मन को सँवारती है।

4. यह भूमि धर्म और सत्कर्मों की भूमि रही है, जहाँ महापुरुषों ने धर्म का पालन किया और अच्छे कर्म करके आदर्श प्रस्तुत किए।

5. कविता में कहा गया है कि श्रीराम (रघुपति) और सीता दोनों का जन्म इसी मातृभूमि में हुआ था, इसलिए यह भूमि उनकी भी जन्मभूमि है।

6. श्रीकृष्ण ने इस भूमि पर अपनी वंशी से पुनीत गीता का उपदेश सुनाया, जो आज भी मानव-जाति का मार्गदर्शन करता है।

7. गौतम बुद्ध ने जग को दया का पाठ पढ़ाया और सही मार्ग दिखाकर अपने जन्म से जग का सुयश बढ़ाया।

8. कवि ने मातृभूमि के लिए पुण्य-भूमि, स्वर्ण-भूमि, जन्मभूमि, धर्मभूमि, कर्मभूमि, युद्ध-भूमि और बुद्ध-भूमि जैसे नाम प्रयोग किए हैं।

9. इस पंक्ति का भाव है कि भारत की झाड़ियों में पक्षी प्रसन्नतापूर्वक चहचहाते हुए मस्त होकर रहते हैं, जो प्रकृति की सुंदरता दर्शाता है।

10. कविता का मुख्य भाव भारत की प्राकृतिक सुंदरता और उसकी महान सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत के प्रति गर्व तथा देशभक्ति की भावना व्यक्त करना है।

भाग य : संक्षिप्त टिप्पणी के उत्तर

1. सोहनलाल द्विवेदी हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि थे। उनका जन्म आज से लगभग सवा सौ वर्ष पहले हुआ था, जब भारत पर अंग्रेज़ों का शासन था। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेज़ी शासन का विरोध किया। उनकी कविताओं का सबसे प्रिय विषय 'देशभक्ति' रहा है। भारत के गौरव का गान करना उन्हें बहुत प्रिय था। उनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाओं में 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' तथा 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' शामिल हैं।

2. कवि ने भारत की प्राकृतिक सुंदरता का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। ऊँचा हिमालय आकाश को चूमता दिखाई देता है, जबकि उसके चरणों में सागर झुककर झूमता है। गंगा-यमुना जैसी नदियाँ लहराती हुई बहती हैं और चारों ओर जगमगाती छटा बिखेरती हैं। पहाड़ियों से अनेक झरने झरते हैं और झाड़ियों में चिड़ियाँ चहकती हैं। घनी अमराइयों में कोयल पुकारती है और मलय पवन तन-मन को सुखद अनुभूति देती है।

CBSEClassWorksheets

3. इस कविता में भारत-भूमि से जुड़े कई महापुरुषों का उल्लेख है। यहीं श्रीराम (रघुपति) और सीता का जन्म हुआ था। श्रीकृष्ण ने इसी भूमि पर अपनी वंशी से पुनीत गीता का संदेश सुनाया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। गौतम बुद्ध ने भी इस भूमि पर जन्म लेकर संसार को दया और करुणा की शिक्षा दी तथा सत्य का मार्ग दिखाया।

4. कवि ने मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम और श्रद्धा व्यक्त की है। वे बार-बार दोहराते हैं कि यह भूमि उनकी पुण्य-भूमि, स्वर्ण-भूमि, जन्मभूमि और मातृभूमि है। हर पंक्ति में गर्व और अपनेपन का भाव झलकता है। कवि भारत की प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों की गाथाओं को गाकर अपनी मातृभूमि के प्रति आदर और देशभक्ति प्रकट करते हैं।

5. इस कविता से हमें अपनी मातृभूमि से प्रेम करने और उसके प्रति गर्व का भाव रखने की सीख मिलती है। हमें अपने देश की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और महान विभूतियों के योगदान को समझना चाहिए। यह कविता हमें सिखाती है कि हमें अपनी धरती, अपनी संस्कृति और अपने महापुरुषों के आदर्शों का सम्मान करते हुए देशभक्ति की भावना बनाए रखनी चाहिए।

भाग र : संदर्भ सहित व्याख्या के उत्तर

1. "ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है, नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।"

संदर्भ: यह पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहते हैं कि हिमालय इतना ऊँचा है कि वह आकाश को चूमता प्रतीत होता है, और सागर (सिंधु) हिमालय के चरणों में झुककर सदा झूमता रहता है।

2. "वह पुण्य-भूमि मेरी, वह स्वर्ण-भूमि मेरी। वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।"

संदर्भ: ये पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि भारत-भूमि के प्रति अपना अगाध प्रेम व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह भूमि उनकी पुण्य-भूमि, सोने जैसी मूल्यवान स्वर्ण-भूमि, उनकी जन्मभूमि और उनकी मातृभूमि है।

3. "अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है, बहती मलय पवन है, तन-मन सँवारती है।"

संदर्भ: यह पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी की कविता 'मातृभूमि' से उद्धृत हैं।

व्याख्या: कवि कहते हैं कि भारत की घनी अमराइयों में कोयल पुकारती रहती है और सुगंधित मलय पवन बहती हुई सबके तन और मन को सुखद अनुभूति देती है।

4. "जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता, श्रीकृष्ण ने सुनाई, पुनीत वंशी गीता।"

CBSEClassWorksheets

संदर्भ: ये पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि बताते हैं कि इस मातृभूमि में श्रीराम और सीता का जन्म हुआ था, और इसी भूमि पर श्रीकृष्ण ने अपनी वंशी से पुनीत गीता का संदेश दिया था।

5. "वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी। वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।"

संदर्भ: यह अंतिम पंक्तियाँ सोहनलाल द्विवेदी की कविता 'मातृभूमि' से ली गई हैं।

व्याख्या: कवि कहते हैं कि यह भूमि वीरों की युद्ध-भूमि भी है और गौतम बुद्ध की बुद्ध-भूमि भी। बार-बार दोहराकर कवि यह दर्शाते हैं कि यह भूमि सब प्रकार से उनकी मातृभूमि और जन्मभूमि है।

CBSEClassWorksheets